एकात्म भारत के लिए
सुचेन्द्र मिश्रा द्वारा प्रकाशित

एकात्म भारत

@EkatmaBharat
दैनिक एकात्म भारत

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष, त्रयोदशी,
मंगलवार विक्रम संवत् 2076

जो एकात्म है वही भारत है

24 दिसंबर 2019, इंदौर

e-paper : www.ekatmab-

'वहां मांग मे सिंदूर लगाना गुनाह है' हिन्दू शर्णार्थियों की कहानी

नई दिल्ली

नागरिकता संशोधन कानून पर कुछ लोगों के वहम को दूर करने के लिए बीजेपी ने एक वीडियो जारी किया है। बीजेपी ने इस वीडियो को 'पीएम मोदी का आभार, हिंदू शरणार्थियों को मिला जीवन का आधार' के टाइटल के साथ लोगों के सामने रखा है। इसमें एक महिला बताती हैं कि उन्हें पाकिस्तान में बहुत तकलीफ थी, उनके 9 जवान बेटों को मुसलमानों ने दफना दिया गया, उनकी खुशियां उनसे छीन ली गईं, उनके बच्चे पढ़े लिखे नहीं है। आगे वो कहती हैं कि अब वो अपने मुल्क में आई हैं और खुश हैं, साथ ही साथ अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा देना चाहती हैं।

जबकि एक दूसरी महिला ने बताया कि वो लोग काफी परेशान थे, उनकी लड़कियां और बच्चों को घर से बाहर निकलने में परेशानी का सामना करना पड़ता था, अगर वो बाहर निकलती थीं तो उनका सरे राह मजाक उड़ाया जाता था। उन्होंने आगे कहा कि अब हम अपने हिंदू देश में आ गए हैं, अब हमें किसी भी तरह की परेशानी नहीं हैं, हम खुलकर जिंदगी जी रहे हैं। एक दूसरे शर्णार्थी ने कि पाकिस्तान में उनके दीन-मजहब का कुछ पता ही नहीं चलता था। उन्होंने बताया कि वहां हिंदू मुसलमान में झड़पें ज्यादा होती थीं, उनके हिंदू मंदिर तोड़ दिए जाते थे और हमारी कोई इज्जत नहीं करता था लेकिन आज हम भारत में हैं और हमारी यहां इज्जत है।

पाकिस्तान में एक और हिन्दू लड़की की जबरन धर्म परिवर्तन के बाद शादी!

सीएए का विरोध कर रहे लोगों और नेताओं को देना चाहिए जवाब कि सीएए सही या गलत

दिल्ली

पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से प्रताड़ित होकर भारत आने वाले अल्पसंख्यकों को नागरिकता देने के लिए बनाए गए नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के विरोध के बीच ही पाकिस्तान में एक बार फिर हिन्दू लड़की के अपहरण और उसके जबरन निकाह करा दिए जाने की खबर मिली है। सीएए के विरोधियों को इस मामले में जवाब देना चाहिए कि सीएए किस तरह से गलत है।

पाकिस्तान में आए दिन हिन्दू और सिख लड़कियों को अपहरण के बाद धर्म परिवर्तन करा के जबरन शादी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही है। इस बार कराची के डिफेंस हाउसिंग अथॉरिटी (DHA) इलाके से 13 दिसंबर को लापता हुई 22 वर्षीय लड़की महक केसवानी को लेकर भी ऐसी ही आशंका जताई जा रही है। सोशल मीडिया पर महक का एक वीडियो आने केबाद ऐसी आशंकाओं को बल मिला है। वीडियो बयान को उर्दू और सिंधी में रिकॉर्ड किया गया है। इसमें वो कह रही है कि उसने अपने सहपाठी अशर के साथ निकाह कर लिया है। वीडियो में अशर भी उसके साथ बैठा दिखाई दे रहा है। पाकिस्तान में पहले भी हिन्दू लड़कियों के साथ ऐसा ही घटनाक्रम होने के बाद उनके वीडियो बयान सामने आए हैं। बहुत संभव है कि ये बयान उनसे दबाव डालकर दिलवाए गए हों। पूरे मामले की सबसे खास बात ये है कि महक का धर्मांतरण और निकाह सिंध प्रांत के घोटकी जिले के धैरकी के पास बरचुंडी शरीफ़ दरगाह पर हुआ है। ये दरगाह और इसका संचालक मियां मिटठू धर्मांतरण के लिए जाने जाते हैं। मियां मिट्ठू के भतीजे मियां जावेद ने ही महक को पहले इस्लाम कबूल कराया और फिर अशर के साथ निकाह कराया।

पहले भी मियां मिट्ठू का नाम धर्म परिवर्तन के कई मामलों में आ चुका है। बताया जाता है कि पहले हिन्दू लड़कियों का स्थानीय मस्जिद में धर्म परिवर्तन कराने के बाद मुस्लिम शख्स से शादी कराई जाती है और फिर पंजाब (पाकिस्तान) के विभिन्न शहरों में रहने के लिए भेज दिया जाता है। साथ ही उन शहरों की मस्जिदों के जरिए उन पर आगे भी नजर रखी जाती है। महक को भी अशर के साथ पाकिस्तान के पंजाब प्रांत भेज दिया गया है। महक के घरवालों ने 13 दिसंबर को डिफेंस पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज कराई थी। एफआईआर में महक के चाचा डॉ सिरी चंद ने उसके अगवा होने की आशंका जताई थी। डॉ सिरी चंद के मुताबिक पुलिस ने इस मामले में सही से काम नहीं किया। उन्होंने कहा कि ना तो उन्हें कोई फोन आया और ना ही उनसे कोई फिरौती की मांग की गई। अभी तक उसे अशर और महक का कोई सुराग नहीं मिल सका है।

हर परिवार गाय का रखवाला बन जाए तो देश में आमूल परिवर्तन होंगे

मोरोपंत पिंगले गौ-सेवा पुरस्कार वितरण समारोह में बोले सरसंघचालक जी

पुणे

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत जी ने कहा कि "अगर प्रत्येक परिवार गाय का रखवाला बन जाए तो देश में आमूल परिवर्तन होंगे. सारा समाज जागृत होगा। समाज की भावना जागे तो मनुष्य का जीवन ही बदल जाएगा। भारतीय संस्कृति ने गाय को 'विश्व माता' कहा है। हमारी संस्कृति गाय को कामधेनु मानती है। मगर उसी गाय को कुछ हिन्दू ही बूचड़खाने तक पहुंचा देते हैं।"

शनिवार को गो विज्ञान संशोधन संस्था व दादरा नगर हवेली मुक्ति संग्राम समिति द्वारा श्रद्धेय मोरोपंत पिंगले गौ-सेवा पुरस्कार वितरण समारोह में उपस्थित गौ भक्तों को मुख्य वक्ता के रूप में सरसंघचालक संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मंच पर गौ विज्ञान संशोधन संस्था के अध्यक्ष राजेंद्र लुंकड, कार्यवाहक बापू कुलकर्णी, बाबासाहेब पुरंदरे, पुणे महानगर संघचालक रवींद्र बंजारवाडकर उपस्थित थे।

सरसंघचालक जी ने चयनित संस्था व व्यक्तियों को गौ सेवा पुरस्कार प्रदान किया। श्रद्धेय मोरोपंत पिगले राष्ट्रीय गौ सेवा पुरस्कार कोलकाता स्थित गौ सेवा परिवार को प्रदान किया गया। एक लाख रुपए, स्मृति चिन्ह, शॉल एवं श्रीफल पुरस्कार स्वरूप दिये गए। श्रद्धेय मोरोपंत पिंगले राज्य स्तरीय पुरस्कार स्वास्थ्य क्षेत्र में कार्य करने वाली वैद्य ज्योतिताई मुंदरगी (तलेगांव दाभाड़े) व वैद्य अजीत उदावंत (भोसरी) को प्रदान किया गया। श्रद्धेय मोरोपत पिंगले गौ सेवा प्रचार पुरस्कार दैनिक 'आज का आनंद' के संपादक श्याम अग्रवाल को प्रदान किया गया। श्रद्धेय मोरोपंत पिंगले पंचगव्य उत्पादन व प्रशिक्षण पुरस्कार से पूनम राउत (पारगाव खंडाला, जि. सातारा) को सम्मानित किया गया। सरसंघचालक मोहन भागवत जी ने सवत्स धेनु (गाय एवं बछड़े) का पूजन भी किया। साथ ही वरिष्ठ पत्रकार मोरेश्वर जोशी लिखित 'गौ विज्ञान आंदोलन' के प्रवर्तक श्रद्धेय मोरोपंत पिंगले पुस्तक का विमोचन भी किया। मोहन भागवत जी ने कहा कि "गायों का संवर्धन-संरक्षण करना हम सबका कर्तव्य है। हमारे समाज में ऐसी कई संस्थाएं व गौ-भक्त हैं जो लगातार गायों के संरक्षण-संवर्धन का कार्य कर रहे हैं। गाय के शरीर में 33 कोटि देवी-देवताओं का निवास माना जाता है। गायों के प्रति समाज जागृत हुआ तो आमूल परिवर्तन हो सकता है। इससे गायों को लेकर संपूर्ण देश जागृत होगा। हर परिवार के जीवन में परिवर्तन निश्चित रूप से हो सकेगा। प्रत्येक परिवार गौ-पालक बना तो कई समस्याओं का जड़ से समाधान संभव हो सकता है। जब तक यह काम नहीं होगा, तब तक नेता भी सहायता नहीं कर सकते। यह कार्य हुआ तो 10 सालों में समाज बदल जाएगा। मनुष्य के 'मन को सुमन' बनाने का कार्य गाय करती है। गायों की सेवा करने से कैदियों में आपराधिक प्रवृत्ति कम होती है, यह अनुभव भी जेल अधिकारियों को हुआ है।